घोटाला | 2.63 करोड़ का अनाज हड़प गए कोटेदार, 14 पर एफआईआर

कटनी में राशन घोटाले का बड़ा खुलासा

कटनी। जिले में गरीबों के हक के राशन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत संचालित राशन दुकानों में बैठे सेल्समैनों ने ही सिस्टम को धता बताते हुए करोड़ों का अनाज हजम कर लिया। जांच में खुलासा हुआ है कि जुलाई 224 से अब तक 14 दुकानों के सेल्समैनों ने मिलकर 2 करोड़ 63 लाख 16 हजार 388 रुपए मूल्य का राशन गायब कर दिया। यह अनाज जरूरतमंद हितग्राहियों तक पहुंचने के बजाय खुले बाजार में बेच दिया गया।

पारदर्शिता के दावे फेल, तकनीक बनी 'खेल' का जरिया

सरकार द्वारा पीओएस मशीन और फिंगरप्रिंट सिस्टम लागू कर पारदर्शिता सुनिश्चित करने की कोशिश की गई थी, ताकि बिना हितग्राही की उपस्थिति राशन वितरण संभव न हो। लेकिन कटनी जिले में यही सिस्टम भ्रष्टाचार का माध्यम बन गया। आरोप है कि सेल्समैन फर्जी एंट्री कर या तकनीकी खामियों का फायदा उठाकर गेहूं और चावल की कालाबाजारी कर रहे थे।

शिकायत के बाद खुली पोल वरना सब 'सामान्य'

चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरा घोटाला तब सामने आया, जब जागरूक नागरिकों ने शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज की गई। सवाल यह उठ रहा है कि जिन मामलों में शिकायत नहीं होती, वहां कितनी बड़ी गड़बड़ी हो रही होगी। जनसुनवाई में लगातार ग्रामीणों द्वारा राशन न मिलने की शिकायतें की जाती हैं, लेकिन अधिकतर मामलों में जांच के नाम पर औपचारिकता ही निभाई जाती है।

निगरानी तंत्र पर उठे सवाल

ऑनलाइन मॉनिटरिंग, पीओएस मशीन और विभागीय निगरानी के बावजूद इतना बड़ा घोटाला सामने आना प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है। यह मामला दर्शाता है कि सिस्टम में खामियों का फायदा उठाकर गरीबों के निवाले पर डाका डाला जा रहा है। इन स्थानों पर सामने आए मामले जांच में सामने आया कि कैमोर, मुरवारी, खम्हरिया बागरी, कछारगांव छोटा, परसेल, खाम्हा, दशरमन, गोपालपुर, अंतर्वेद, पौंड़ीखुर्द, बरही, देवरी बिछिया, इटौली और भटगवां क्षेत्रों की राशन दुकानों में बड़े पैमाने पर अनाज गायब किया गया। संबंधित सेल्समैनों के खिलाफ अलग-अलग तिथियों में एफआईआर दर्ज की गई है।

फैक्ट फाइल

- जिले में कुल 476 पीडीएस दुकानें संचालित
- 2.51 लाख राशन कार्डधारी
- 9.64 लाख सदस्य लाभान्वित
- हर माह 2718 मैट्रिक टन गेहूं वितरण
- 1750 मैट्रिक टन चावल
- 227 मैट्रिक टन नमक

अधिकारियों का दावा—कार्रवाई जारी

जिला खाद्य अधिकारी सज्जन सिंह परिहार ने बताया कि पिछले लगभग दो वर्षों में 14 सेल्समैनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। हितग्राहियों की शिकायतों के आधार पर जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। साथ ही वसूली की प्रक्रिया भी जारी है और भविष्य में ऐसी गड़बड़ियां न हों, इसके लिए सख्त निगरानी रखी जा रही है।

रामनवमी पर निकली भव्य शोभायात्रा

▶ मातृशक्ति ने बिखेरा आस्था और संस्कृति का रंग

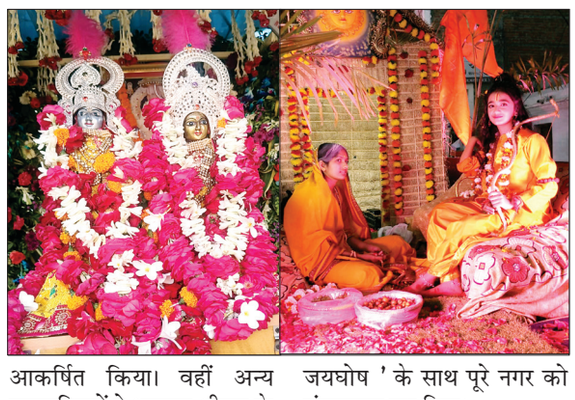

कटनी। श्री हिंदू उत्सव समिति के तत्वावधान में रामनवमी के पावन पर्व के उपलक्ष्य में रविवार शाम 4 बजे से नगर में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा घंटाघर स्थित रामलीला मैदान से प्रारंभ हुई, जिसमें सैकड़ों मातृशक्तियों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया।

शोभायात्रा के दौरान बच्चों द्वारा भगवान स्वरूप में प्रस्तुत की गई जीवंत झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरती इस शोभायात्रा ने पूरे शहर को भक्तिमय वातावरण में रंग दिया। महिलाओं द्वारा प्रस्तुत खप्पर नृत्य, डांडिया रास और भजन-कीर्तन ने कार्यक्रम में विशेष ऊर्जा का संचार किया, जिसे देखने के लिए जगह-जगह लोगों की भीड़ उमड़ी।

शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण खुली जीप में सजीव झांकी रहीं, जिन्होंने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। वहीं अन्य मातृशक्तियों ने भगवान श्रीराम के जयघोष ' के साथ पूरे नगर को गुंजायमान कर दिया।

पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया

यात्रा मार्ग में विभिन्न सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों द्वारा जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। मातृशक्तियों ने अपनी सहभागिता से भारतीय संस्कृति, मर्यादा और सभ्यता का जीवंत परिचय दिया, जिससे रामनवमी पर्व की गरिमा और भी बढ़ गई। शोभायात्रा घंटाघर रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर गर्ग चौराहा, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, सुभाष चौक, सराफा बाजार, खेरमाई, लक्ष्मी नारायण मंदिर, शेर चौक और आजाद चौक होते हुए गाटर घाट स्थित समीर राम मंदिर पहुंचकर संपन्न होगी। नगरवासियों ने इस भव्य आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता और धार्मिक आस्था का अद्भुत उदाहरण बताया।

बरगवां की 5 करोड़ की भूमि का मामला, पैट्रिक रॉबर्ट डन के नाम जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र पर खड़े हुए सवाल

▶ लाल पहाड़ी में करोड़ों के जमीन घोटाले का आरोप, एनओसी निरस्त करने की मांग

कटनी। शहर के बरगवां क्षेत्र में लाल पहाड़ी पर स्थित कीमती शासकीय भूमि को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें नगर पालिक निगम द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र पर सवाल खड़े किए गए हैं। कलेक्टर आशीष सिंह व नगरनिगम आयुक्त से की गई शिकायत में इस एनओसी को फर्जी तथ्यों पर आधारित बताते हुए तत्काल निरस्त करने की मांग की गई है। साथ ही मामले में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग भी की गई है।

शिकायत के अनुसार नगर निगम ने पीआर डन के नाम पर ग्राम बरगवां, खसरा नंबर **209/5 की 0.081** हेक्टेयर भूमि के लिए 24 दिसंबर 218 को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया था। आरोप है कि यह एनओसी गलत जानकारी और भ्रामक तथ्यों के आधार पर जारी किया गया, जिससे शासन और निगम को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

हाईकोर्ट आदेशों का गलत उपयोग: शिकायत में बताया गया है कि एनओसी जारी करते समय मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के रिट याचिका क्रमांक **1286/2013** का हवाला दिया गया, जबकि यह याचिका खसरा नंबर **209/5** से संबंधित नहीं थी। इसी तरह रिट अपील क्रमांक **209/2015** का भी उल्लेख किया गया, जिसमें भी संबंधित खसरे का जिक्र नहीं था।

स्टेटस-को के बावजूद दी गई अनुमति: शिकायत में यह भी कहा गया है कि संबंधित भूमि नगर सुधार न्यास की योजना क्रमांक 3 और 17 मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा पूर्व में स्टेटस को लागू किया गया था, जो अब तक प्रभावी है। इसके बावजूद एनओसी जारी करना नियमों के विपरीत बताया गया है। बताया गया कि 17 सितंबर 2018 की मेयर-इन-काउंसिल बैठक में इस प्रस्ताव पर आपत्तियां दर्ज कराई गई थीं। वहीं 15 फरवरी 2019 की नगर निगम परिषद बैठक में भी इस मामले पर विरोध दर्ज हुआ, जिसके चलते अब तक अंतिम निर्णय लंबित है।

विक्रय भी हो चुका: मामले में यह भी सामने आया है कि पैट्रिक राबर्ट डन द्वारा उक्त भूमि का विक्रय सरिता अग्रवाल पति सुमित अग्रवाल निवासी आनंद विहार कॉलोनी के पक्ष में किया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि जब एनओसी ही अवैध है तो इसके आधार पर हुआ विक्रय भी निरस्त किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे स्थित इस भूमि का गाइडलाइन मूल्य लगभग 5 करोड़ रुपए बताया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि निगम के कुछ अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से यह पूरा प्रकरण अंजाम दिया गया, जिससे शासन को करोड़ो का नुकसान हुआ।

इनका कहना है

नगर सुधार न्यास की योजना से जुड़ी भूमि के विक्रय संबंधी शिकायत मिली है। इस संबंध में जांच के निर्देश दिए गए हैं। जल्द ही जांच रिपोर्ट के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जमीनों का सीमांकन भी कराया जाएगा।

तपस्या परिहार, आयुक्त, नगरनिगम

अव्यवस्था की मार झेल रहे बैंक उपभोक्ता, नियमों के जाल में उलझे बुजुर्ग

▶ प्रसाधन न होने से महिलाएं शर्मसार

नवभारत, ढीमरखेड़ा। सेंट्रल बैंक सिलोड़ी की शाखा में इन दिनों उपभोक्ताओं को भारी अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है। बैंक प्रबंधन की संवेदनहीनता और बुनियादी सुविधाओं के अभाव ने खाताधारकों, विशेषकर बुजुर्गों और महिलाओं की मुश्किलों को चरम पर पहुँचा दिया है।

नियमों की आड़ में आम जनता का उत्पीड़न

बैंक में काम कराने पहुँच रहे ग्राहकों का आरोप है कि असिस्टेंट मैनेजर का व्यवहार बेहद असहयोगात्मक है। ग्रामीणों और बुजुर्ग खाताधारकों को काम के नाम पर इतने जटिल 'नियम-कानून' समझा दिए जाते हैं कि वे दस्तावेजों की पोटली लेकर एक काउंटर से दूसरे काउंटर भटकने को मजबूर हैं।

पीड़ितों का कहना है

'हम सीधा काम पूछने जाते हैं, लेकिन हमें तकनीकी बारीकियों में उलझाकर वापस भेज दिया जाता है। ऐसा लगता है जैसे बैंक हमारी मदद करने के लिए नहीं, बल्कि हमें परेशान करने के लिए बैठा है।'

बुनियादी सुविधाओं का अभाव

खुले में जाने को मजबूर महिलाएँ बैंक की सबसे शर्मनाक तस्वीर स्वच्छता सुविधाओं को लेकर सामने आई है। बैंक परिसर में महिला एवं पुरुष प्रसाधन (Toilet) की कोई व्यवस्था नहीं है। घंटों तक कतार में लगने वाली महिला उपभोक्ताओं को भारी मानसिक और शारीरिक कष्ट झेलना पड़ रहा है। प्रसाधन न होने के कारण महिलाओं को विवश होकर खुले में जाना पड़ रहा है, जो उनके सम्मान और 'स्वच्छ भारत अभियान' जैसे दावों पर सीधा प्रहार है।

असिस्टेंट मैनेजर का अड़ियल रवैया

कागजी कार्रवाई के नाम पर उपभोक्ताओं को बार-बार चक्कर लगवाना।

बुजुर्गों की अनदेखी: वरिष्ठ नागरिकों के लिए कोई अलग खिड़की या बैठने की समुचित व्यवस्था न होना।

मानवीय गरिमा का हनन: बैंक परिसर में शौचालय की सुविधा शून्य होना। स्थानीय नागरिकों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि बैंक के कामकाज की समीक्षा की जाए और तत्काल प्रभाव से प्रसाधन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि जनता को इस नारकीय स्थिति से निजात मिल सके।

अवैध मुरूम परिवहन पर पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक, हाईवा जब्त

नवभारत, ढीमरखेड़ा। जिले में अवैध खनिज माफियाओं के खिलाफ पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत उमरिया पान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अवैध रूप से मुरूम का परिवहन करते हुए एक हाईवा वाहन को रंगे हाथों पकड़ा है।

जानकारी के अनुसार, 26 मार्च की रात ग्राम परसेल में देवी जागरण के दौरान कानून व्यवस्था संभाल रही पुलिस टीम को एक संदिग्ध हाईवा आता दिखाई दिया। रोकने पर चालक अजय लोधी (32 वर्ष) मुरूम परिवहन से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। थाना प्रभारी महेंद्र जायसवाल ने बताया कि बिना अनुमति खनिज परिवहन करने पर वाहन को जप्त कर धारा 106 बीएनएसएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले को अग्रिम दंडात्मक कार्रवाई और जुर्माने के लिए कलेक्टर कार्यालय स्थित खनिज विभाग को भेज दिया गया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी के साथ प्रधान आरक्षक योगेंद्र सिंह, आरक्षक योगेश पटेल और रोहित झारिया की मुख्य भूमिका रही। पुलिस की इस सक्रियता से क्षेत्र के अवैध उत्खननकर्ताओं में हड़कंप मचा हुआ है।

हर दिन दांव पर आमजन की जान, कटनी में आंध्रप्रदेश जैसे हादसे का सताता है डर

▶ नो-एंट्री ताक पर सड़कों पर काल बन कर दौड़ रहे डंपर-हाइवा, तंत्र बेपरवाह

▶ ओवरलोडिंग-नशे में ड्राइविंग का चल रहा खेल, गायब नंबर प्लेट से बच निकलते हैं वाहन

कटनी। आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम में बस और डंपर की भीषण टक्कर के बाद लगी आग में 13 लोगों की दर्दनाक मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया है लेकिन जिले में हालात ऐसे हैं कि मानो इस त्रासदी से भी कोई सबक नहीं लिया गया। यहां रेत परिवहन में लगे हाइवा, टिपर और डंपर सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे हैं और प्रशासन की कार्रवाई नाकाफी साबित हो रही है।

जिले के प्रमुख मार्ग कटनी-जबलपुर, कटनी-बहोरीबंद, कटनी-दमोह, कटनी-बरही, कटनी-उमरिया और शहर के अंदरूनी रास्तों पर भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बढ़ती जा रही है। खासकर शहडोल की ओर से आने वाले मार्ग पर स्थिति सबसे भयावह है। रपटा के पास से मनमाने तरीके से ये वाहन शहर में प्रवेश कर दुर्गा चौक होते हुए तिलक कॉलेज रोड तक पहुंच जाते हैं। इस मार्ग पर स्कूल, कॉलेज और घनी आबादी होने के बावजूद कोई प्रभावी नियंत्रण नजर नहीं आता।

नो-एंट्री सिर्फ दिखावा, सड़कों पर खुला खेल: शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध के बावजूद दिन दहाड़े और रात में ये वाहन बेधड़क घुसते हैं। कई बार पुलिस की मौजूदगी में भी इन वाहनों का गुजरना स्थानीय लोगों के लिए सवाल खड़े करता है। हाल ही में माधवनगर में एक सफाईकर्मी की मौत भी नोएंट्री में घुसे वाहन की ठोकर से हुई थी।

अनुभवहीन चालकों का खतरा: सूत्रों के अनुसार, कई वाहन ऐसे लोगों के हाथों में हैं जिन्हें भारी वाहन चलाने का पर्याप्त अनुभव नहीं है। कम उम्र के युवक, यहां तक कि क्लीनर तक स्टीयरिंग संभाल रहे हैं। इसके अलावा कई मामलों में ड्राइवरों के नशे में वाहन चलाने की शिकायतें भी सामने आती हैं। के लिए जोखिम भरा हो गया है।

ये हो चुके हैं हादसे: 11 मार्च 225 को जगन्नाथ चौक पर एक तेज रफ्तार ट्रक ओवरब्रिज पर चढ़ते समय अनियंत्रित होकर पीछे लुढ़क गया और एक ऑटो को रौंद दिया।

इस हादसे में आरक्षक घायल हो गए थे। 25-26 मार्च 225 की रात एनकेजे क्षेत्र में रेत भरे हाइवा से टक्कर में युवक की दो से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई थी। चालक फरार हो गया था।

नंबर प्लेट गायब, हादसे के बाद 'अज्ञात' का खेल

जिले में चल रहे अधिकांश डंपर और हाइवा बिना नंबर प्लेट के या धुंधले नंबर के साथ चलते हैं। दुर्घटना होने पर यही वाहनं आसानी से फरार हो जाते हैं और केस 'अज्ञात वाहन' के नाम पर दर्ज हो जाता है। इससे पीड़ित परिवारों को न्याय और मुआवजा पाने में भी भारी दिक्कत होती है।

स्कूलों के सामने मंडरा रहा खतरा

तिलक कॉलेज रोड जैसे व्यस्त मार्गों पर, जहां निजी स्कूलों सैकड़ों बच्चे आते-जाते हैं, वहीं से भारी वाहन गुजर रहे हैं। बच्चों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस इंतजाम नहीं दिखता। छिटपुट चालानी कार्रवाई या वाहन जब्ती से समस्या का समाधान नहीं निकल रहा।

इनका कहना है

भारी वाहनों की नोएंट्री की टाइमिंग फिक्स है उसी के अनुसार वाहन संचालित हो रहे हैं। निर्धारित स्थानों पर हमारे जवान तैनात रहते हैं। समय-समय पर चेकिंग अभियान भी चलाया जाता है। यदि किसी तरह की लापरवाही होती है तो कार्रवाई की जाएगी।

अभिनय विश्वकर्मा, एसपी

अधिवक्ताओं के लिए कक्ष निर्माण हेतु 5 लाख रुपए स्वीकृत

कटनी। जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष अमित शुक्ला ने आज राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तंखा से मुलाकात कर जिला अधिवक्ता संघ कटनी में महिला अधिवक्ताओं के लिए पृथक कक्ष एवं बैठक व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग रखी। मुलाकात के दौरान महिला अधिवक्ताओं को बैठने एवं कार्य करने के लिए समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता से सांसद को अवगत कराया गया। मांग को गंभीरता से लेते हुए राज्यसभा सांसद श्री तंखा ने तत्काल 5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। राशि स्वीकृत होने पर जिला अधिवक्ता संघ तथा महिला अधिवक्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सांसद श्री तंखा के प्रति आभार जताया।

समारोह | जिला प्रशासन और श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास और संस्कृति विभाग ने भरभरा आश्रम में कराया आविर्भाव समारोह का आयोजन

राम की शक्ति पूजा प्रसंग ने भक्ति, समपर्ण और आध्यात्मिक उर्जा का किया संचार

कटनी। जिला प्रशासन, श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास और संस्कृति विभाग, द्वारा श्रीरामनवमी के पावन पर्व पर कलानुशासनों में श्रीरामचंद्र की महिमा केन्द्रित आविर्भाव समारोह का आयोजन उमरियापान क्षेत्र के भरभरा आश्रम स्थित शिव मंदिर परिसर में किया गया। संस्कृति विभाग द्वारा यह आयोजन जिला प्रशासन, के सहयोग से किया गया, जिसमें श्रद्धा, भक्ति और शास्त्रीय-सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के अनुपम संगम ने दर्शकों का मनमोह लिया।

जबलपुर के लोकगायक भवानीदास अहिरवार ने बुंदेली लोकगायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने जनम लए राजा राम ने अवध में, हमखे लगे बड़े प्यारे बड़े लाल हो गए तुम्हारे, राम लखन सिया जानकी, जय बोलो हनुमान की, जो लो राम जियावे रे, दो बातें मन भज लैयो राम नाम तारन हारो, बम-बम भोला नाथ जय-जय माता पार्वती, जीवनदान दे रही मां सबको ज्ञान दे रही मां नर्मदा, जैसे भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। राम भक्ति और शिव स्तुति से सजी उनकी गायकी ने श्रोताओं के हृदय को छू लिया। वहीं मां नर्मदा पर आधारित गीत ने आध्यात्मिक भावों को नई ऊंचाई दी। अगली प्रस्तुति मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम कथक नृत्य नाटिका की हुई।

नृत्य नाटिका की संकल्पना, कोरियोग्राफी कथक नृत्यांगना डॉ श्यामा पंडित द्वारा की गई है। प्रस्तुति में भगवान श्रीराम के जीवन के प्रमुख प्रसंगों राम-सीता वनवास, सीता हरण, राम की शक्ति पूजा, रावण वध को नृत्य के माध्यम से अत्यंत भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया गया। तीनताल में निबद्ध इस प्रस्तुति के साथ तोड़े, टुकड़े, परन और तिहाइयों के माध्यम से लय, गति और ताल की जटिलताओं को दर्शाया गया। वहीं, भाव पक्ष रूपक ताल में अभिव्यक्त रहा, जहां अभिनय, मुखाभिनय, गत-भाव के माध्यम से कथा के संवेदनशील, भावनात्मक प्रसंगों को जीवंत कर दिया। राम की शक्ति पूजा प्रसंग ने भक्ति, समर्पण और आध्यात्मिक ऊर्जा के गहन चित्रण को प्रस्तुत किया, जबकि रावण वध के दृश्य ने वीर रस से परिपूर्ण हो कर दर्शकों में उत्साह और ऊर्जा का संचार कर दिया।

इनकी रही मौजूदगी
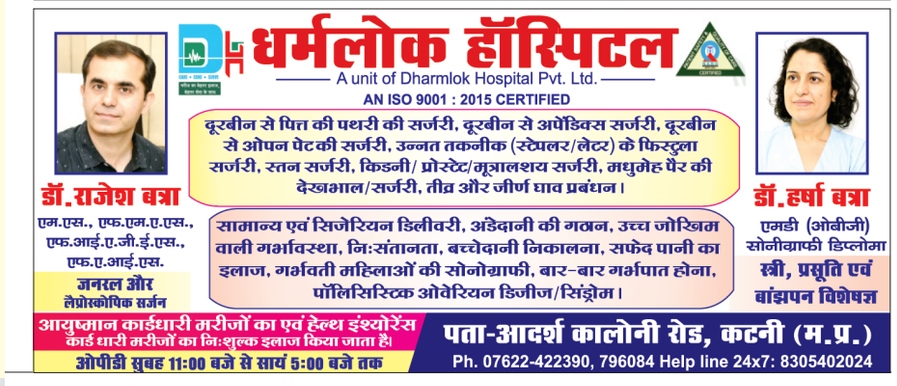
आविर्भाव समारोह के आयोजन में जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, शहडोल सांसद प्रतिनिधि पद्मेश गौतम, पर्यावरणविद् मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता दुबे, एसडीएम ढीमरखेड़ा निधि गोहल, जनपद पंचायत सीईओ यजुवेंद्र कोरी, राजाराम चौरसिया, रवि खरे, सुरेश सोनी, सरपंच श्रीमती रामसखी कोल सहित अन्य गणमान्य जनो की मौजूदगी रही।